आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 06.08.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के आपदाग्रस्त धराली में राहत और बचाव अभियान में केंद्र के साथ ही राज्य की एजेंसियां युद्धस्तर पर जुटी हैं।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली क्षेत्र का दौरा कर प्रभावितों से मुलाकात की। हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। राहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।
- भारी बारिश के चलते कैलाश मानसरोवर यात्रा को स्थिति सामान्य होने तक रोका गया।
- प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश से सामान्य जन–जीवन प्रभावित। पौड़ी में आवासीय मकान के क्षतिग्रस्त होने से दो महिलाओं की मृत्यु।

मुख्यमंत्री धराली दौरा

उत्तरकाशी जिले के आपदाग्रस्त धराली में राहत और बचाव अभियान में केंद्र के साथ ही राज्य की एजेंसियां भी युद्धस्तर पर जुटी हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज धराली क्षेत्र का दौरा कर प्रभावितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार के अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया और राहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। श्री धामी ने मौके पर तैनात राहत और बचाव कार्यों में जुटे कर्मियों से भी मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री और सहायता समयबद्ध तरीके से सभी प्रभावितों तक पहुंचे। राहत कार्यों को गति देने के उद्देश्य से दो हेलीकॉप्टरों के माध्यम से आवश्यक खाद्य सामग्री और राहत सामग्री धराली क्षेत्र में पहुंचाई गई है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से भारी मशीनरी भी पहुंचाई जा रही है, जिससे मार्गों की मरम्मत, मलबा हटाने और अन्य आवश्यक कार्यों को शीघ्रता से अंजाम दिया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक राहत पहुंचाना और सामान्य स्थिति बहाल करना है। उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया कि कोई भी प्रभावित परिवार सहायता से वंचित न रहे।

धराली राहत कार्य

प्रदेश सरकार की मांग पर केंद्र ने चंडीगढ़, सरसावा और आगरा से दो चिनूक और दो एमआई– 17 हेलीकॉप्टर आज तड़के ही जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर उपलब्ध करा दिए। सड़क यातायात बहाल करने के लिए चिनूक हेलीकॉप्टर से भारी मशीनरी भी पहुंचाई जा रही है। मौके पर सेना और आईटीबीपी के साथ ही एसडीआरएफ, पुलिस, राजस्व विभाग की टीमें बचाव अभियान में जुटी हैं। प्रशासन ने इंटर कॉलेज हर्षिल, गढ़वाल मंडल विकास निगम और झाला में राहत शिविर शुरू किए हैं। साथ ही क्षेत्र में बिजली और संचार सुविधा को बहाल किए जाने के प्रयास भी युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान और एसडीआरएफ, लिम्चागाड़ में अस्थायी पुल निर्माण में लगी हैं। बाधित सड़कों को खोलने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग ने आपदा में घायलों को उपचार देने के लिए दून मेडिकल कॉलेज, कोरोनेशन जिला अस्पताल और एम्स ऋषिकेश में बेड आरक्षित किए हैं। साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों को भी उत्तरकाशी के लिए रवाना किया गया है। विशेष रूप से मनोचिकित्सक भी आपदाग्रस्त क्षेत्र में भेजे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आज सुबह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बातचीत कर धराली क्षेत्र में आपदा के बाद चलाए जा रहे राहत और बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार, राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता के साथ जुटी हुई हैं।

राज्यपाल/राहत कार्य

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने आज राजभवन में उत्तरकाशी आपदा के दृष्टिगत शासन, पुलिस, सेना और आईटीबीपी के वरिष्ठ अधिकारियों से राहत व बचाव कार्यों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने कहा कि इस समय खोज, राहत और बचाव कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए किसी भी प्रकार के संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यकता अनुसार मशीनों और उपकरणों का मूल्यांकन कर त्वरित मोबिलाइजेशन किया जाए। इस दौरान प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु ने बताया कि राहत और बचाव कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों और टीमों का तेजी से समन्वयन और मोबिलाइजेशन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सेना, आईटीबीपी, बीआरओ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस के जवान मौके पर राहत व बचाव कार्यों में जुटे हैं। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने जानकारी दी कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों सहित 300 से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रभावित क्षेत्र के लिए रवाना कर दिया गया है। जीओसी, सब एरिया, मेजर जनरल एम.पी.एस. गिल ने बताया कि हर्षिल के निकट स्थित सेना का हेलीपैड सुरक्षित है और मौसम अनुकूल होने पर इसके माध्यम से खोज और बचाव कार्यों को गति दी जाएगी। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने अब तक किए गए राहत और बचाव प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा रोक

कुमाऊं मंडल में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश से जन–जीवन पर विपरीत असर पड़ा है। भारी बारिश के चलते कैलाश मानसरोवर यात्रा रोक दी गई है। कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत ने बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा को स्थिति सामान्य होने तक रोका गया है। यात्रा का चौथा दल धारचूला तक सुरक्षित पहुंच गया है, लेकिन धारचूला से लिपुलेख के बीच लगातार भूस्खलन के कारण सुरक्षा की दृष्टि से यात्रा को वहीं पर रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की कोशिश है कि यात्रा दल को जल्द ही बूंदी या गुंजी सुरक्षित पहुंचाया जा सके।

मौसम/पौड़ी

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश से सामान्य जन–जीवन प्रभावित हुआ है। बारिश से राज्य की प्रमुख नदियों के जल स्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए शासन–प्रशासन के स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और भूस्खलन से कई सड़कें बाधित हैं, जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। पौड़ी गढ़वाल में पौड़ी तहसील के बुरांसी गांव में तेज बारिश के कारण आवासीय मकान के क्षतिग्रस्त होने से दो महिलाओं की मृत्यु हो गई। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि थलीसैंण तहसील के बाँकुड़ा गांव में भी पांच नेपाली मजदूरों के बहने की सूचना है, जिनकी तलाश की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी से फोन पर बातचीत कर पौड़ी जिले में हुई प्राकृतिक आपदा और इसके बाद चलाए जा रहे राहत और बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाने के दिए निर्देश।

बारिश बागेश्वर/चम्पावत

बागेश्वर जिले मे लगातार हो रही बारिश से सरयू और गोमती नदियां उफान पर हैं। बारिश–भूस्खलन से जिले मे एक दर्जन से ज्यादा सड़कें बंद हैं। जिला प्रशासन, बंद सड़कों को खोलने में जुटा है। बारिश के कारण विकासभवन के पास सड़क का करीब 100 मीटर हिस्सा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है, जिस कारण वहां आवागमन बंद कर दिया गया है। जिलाधिकारी आशीष भटगाईं ने बताया कि सड़कों को खोलने का काम किया जा रहा है। नदियों के जल स्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए लोगों से नदी किनारे से दूर रहने की अपील की जा रही है।

इस बीच, मौसम विभाग ने आज प्रदेश के सभी जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

क्विज प्रतियोगिता

आज़ादी का अमृत महोत्सव और उन्यासीवें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आकाशवाणी समाचार देहरादून ने एक क्विज प्रतियोगिता शुरू की है। सबसे पहले सही उत्तर देने वाले श्रोता का नाम अगले दिन के समाचार बुलेटिन में घोषित किया जाएगा। हमारा कल का प्रश्न था– भारत के राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात कितना है ? सही उत्तर है– 3 अनुपात 2

हमारी कल की विजेता हैं– चमोली जिले के चौरसैन गांव की दीक्षा टम्टा।

आज का प्रश्न है– नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने 30 दिसम्बर 1943 को भारत के किस स्थान पर तिरंगा झंडा फहराया था ? प्रश्न एक बार फिर सुन लें– नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने 30 दिसम्बर 1943 को भारत के किस स्थान पर तिरंगा झंडा फहराया था ?

श्रोता अपने प्रश्न का उत्तर आकाशवाणी की ईमेल आईडी– rnudehradun@gmail.com या व्हाट्सएप नंबर – 97 60 26 80 51 पर भेज सकते हैं।